भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 71*

दिनांक 29.04.2015/9 वैशाख, 1937 (शक) को उत्तर के लिए

जम्मू और कश्मीर तथा पूर्वोत्तर राज्यों में हिंसा में वृद्धि

***71. श्री ए० के० सेल्वाराज :**

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा की घटनाओं में भारी कमी आयी है, परन्तु हिंसा के स्तर में कमी आने के कई वर्षों के बाद भी जम्मू और कश्मीर तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र में हताहतों की संख्या में वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या यह भी सच है कि आम-धारणा के विपरीत विगत वर्ष में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं में कमी आयी है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री **(श्री हरिभाई परथीभाई चौधरी)**

(क) और (ख) : एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

दिनांक 29.04.2015 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 71 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) : यह सच है कि वर्ष 2011 से विगत चार वर्षों के दौरान वामपंथी उग्रवादी हिंसा की घटनाओं तथा उनमें हुई मौतों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है । वामपंथी उग्रवादी हिंसा की घटनाओं तथा उनमें हुई मौतों की संख्या का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है ।

वर्ष	घटनाएं	मौतें
2010	2213	1005
2011	1760	611
2012	1415	415
2013	1136	397
2014	1091	309
2015 (15 अप्रैल तक)	357 (371)	79 (115)

कोष्ठक में दिए गए आंकड़े वर्ष 2014 की तदनुरुपी अवधि का ब्यौरा दर्शाते हैं ।

विगत दो वर्षों तथा चालू वर्ष (19 अप्रैल तक) के दौरान जम्मू एवं कश्मीर राज्य में आतंकवादी हिंसा का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

घटनाएं	2013	2014	2015 (19 अप्रैल तक)
अन्य कृत्यों सहित आतंकवादी घटनाएं	170	222	32 56)
केवल आतंकवादी हिंसा में मारे गए आम नागरिक	15	28	4 (5)
आतंकवादी हिंसा में मारे गए सुरक्षा बल कार्मिक	53	47	11 (9)
मारे गए उग्रवादी	67	110	21 (30)
पत्थर फेंकने की घटनाएं	1563	779	126# (270)

#आंकड़े 22 अप्रैल, 2015 तक के हैं ।

कोष्ठक में दिए गए आंकड़े वर्ष 2014 की तदनुरुपी अवधि का ब्यौरा दर्शाते हैं ।

.....3/-

विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष (15 अप्रैल तक) के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवादी समूहों द्वारा मारे गए आम नागरिकों की संख्या का राज्य-वार ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :-

पूर्वोत्तर राज्य का नाम	2012	2013	2014	2015 (15 अप्रैल तक)
असम	27	35	168	03
मेघालय	36	30	24	06
त्रिपुरा	शून्य	01	01	शून्य
अरुणाचल प्रदेश	05	02	02	शून्य
नागालैंड	08	11	01	01
मणिपुर	21	28	16	07
मिजोरम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

वर्ष 2014 में पूर्वोत्तर राज्यों में आम नागरिकों के हताहत होने की संख्या में वृद्धि असम राज्य में नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (सांगबिजित) के आतंकवादी हमलों में 143 लोगों की मृत्यु होने के कारण हुई है । नागालैंड और मेघालय राज्यों में आम नागरिक के हताहत होने की घटनाओं में कमी आई है । त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश राज्यों में घटनाओं की संख्या वर्ष 2013 की तुलना में वर्ष 2014 में समान रही ।

(ख) : जी, हां । पिछले वर्ष सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं में कमी आई । वर्ष 2013 और 2014 के दौरान देश में सांप्रदायिक घटनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

वर्ष	सांप्रदायिक घटनाओं की संख्या
2013	823
2014	644

*****